फोरम आफ एग्जीक्यूटिव्स एसोशियेसन्स/यूनियनस आफ बीएसएनएल

कोटा (राज०)

बी एस एन एल मेनेजमेन्ट द्वारा लिए गये पक्षपात पूर्ण निर्णय के विरोध में बीएसएन एल के अधिकारियो व कर्मचारियों का महाप्रबन्धक कार्यालय पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन

— x — x —

□ कोटा □ 31 मई □ फोरम आफ एग्जीक्यूटिव्स एसोशियेसन्स/यूनियनस के बैनर के अन्तर्गत पूरे देश में बी एस एन एल मेनेजमेन्ट द्वारा लिए गये पक्षपात पूर्ण निर्णय के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन हुआ है। कोटा में भी सभी अधिकारी व कर्मचारी महाप्रबन्धक कार्यालय पर उपस्थित हुए तथा बी एस एन एल बचाओ के नारे लगाते हुए भोजनावकाश में जबरदस्त प्रदर्शन किया।

सभा को सम्बोधित करते हुए यूनाइटेड फोरम कोटा तथा संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोशियेसन के राजस्थान परिमण्डल अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने बताया कि बीएसएनएल लगातार वित्तीय घाटे में चल रही है। कर्मचारियों के संगठनो द्वारा 78.2% IDA फिक्सेशन जो 01 जनवरी 2007 से होना था, की मांग की जा रही थी, बी एस एन एल द्वारा कर्मचारियों को मिलने वाले पर्कस, एलटी मेडीकल आदि पर यह कहकर रोक लगा दी कि बी एस एन एल अभी आर्थिक दृष्टि से नुकसान पर चल रहा है यदि इन्हें लागू किया गया तो वित्तीय स्थिति और बिगड़ जाएगी। संगठनों द्वारा अपनी इन मांगो को इसलिए लम्बित कर दिया ताकि बीएसएन एल की वित्तीय स्थिति मजबूत हो सके। परन्तु बी एस एन एल मेनेजमेन्ट लगातार साजिस कर रहा है और बी एस एन एल रुग्ण इन्डस्ट्रीज घोषित करने पर आमादा है जिसे अब बर्दाश्त नही किया जा सकता।

एस एन ई ए कोटा के जिला सचिव रतीश मोहन सारस्वत ने कहा कि कर्मचारी व अधिकारी अपनी खून पसीने के कमाई को इस तरह से बर्बाद होते नहीं देख सकते। बीएसएनएल मेनेजमेन्ट को समानता का व्यवहार अपनाना चाहिए बीएसएनएल की कीमत पर किसी वर्ग विशेष को नियम विरुद्ध लाभ पहुँचाना न्यायोचित नही है। श्री धर्मनारायण दुबे अध्यक्ष SNEA कोटा ने कहा कि जब कम्पनी वित्तीय संकट से जूझ रही है तब बीएसएनएल को पारदर्शी निर्णय लेने चाहिए जो कम्पनी के हित में हो जानबूझकर कम्पनी को घाटे में ले जाना विवेकपूर्ण निर्णय नही है। एस सी बत्रा जिला सचिव AIBSNLEA कोटा ने अपने सम्बोधन में कहा कि कि अब समय आ गया है कि हम एकतावद्ध होकर पक्षपात पूर्ण निर्णयो का विरोध करें। क्योंकि एक खास वर्ग बीएसएनएल को फलते फूलते नही देखना चाहता।

घीसर लाल गोस्वामी जिला सचिव बीएसएनएलयू कोटा ने कहा कि बी एस एन एल मेनेजमेन्ट द्वारा आईटी एस अधिकारियों को बीएसएन एल में विलय होने के लिए कई अवसर दिए गए, उनके फेवर में [illegible]

बीएसएनएल में विलय की सीमा तय की परन्तु फिर भी आईटीएस अधिकारी बीएसएनएल में विलय नही हो रहे हैं और मैनेजमेन्ट लगातार इनके समक्ष घुटने टेके हुए हैं इनके लाभ के लिए इस तरह के अन्यायपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं जो बीएसएनएल के वित्तीय घाटे को और बढ़ाने वाले हैं। सेवाओं पर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है आखिर कार उधार के मैनेजमेन्ट से बीएसएनएल कब तक चलेगा। आखिर कार ऐसी कौन सी मजबूरी है जिसके कारण मैनेजमेन्ट इन आईटीएस अधिकारियो को रिझाने में लगा है। एआईजीईटीओए कोटा के जिला सचिव संजय अरोड़ा ने कहा नियम विरुद्ध निर्णयो का पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए। यदि मैनेजमेन्ट फिर भी नही मानता है तो 6 जून 2012 को सभी परिमण्डल व जिला कार्यालयों पर पूरे देश में एक दिवसीय धरना आयोजित किया जाएगा और 13 जून 2012 से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी जिसकी सारी जिम्मेदारी बीएसएनएल मैनेजमेन्ट की होगी। राजकिशोर शर्मा एक्जीक्यूटीव सन्नाटा कोटा के बताया कि वित्तीय संकट के दौरान आईटीएस अधिकारियो को ही केवल एलाउन्सेस मिलना उचित नही है या तो सभी को देना चाहिए या ~~किसी~~ किसी को भी नही देना चाहिए।

अचानक ITS अधिकारियो को बिना किसी एप्रूवल के एलाउन्सेस दिया जाना कम्पनी को सीधा सीधा रुग्ण करने की कार्यवाही है क्योंकि ITS, BSNL में आना नही चाहते और बीएसएनएल लगातार प्रलोभन ~~दिया~~ दिए जा रहा है मैनेजमेन्ट द्वारा जो कार्य करना चाहिए वह तो कर नही रहा अपितु बीएसएनएल किस तरीके से और घाटे में जा सकता है इस तरह की कार्यवाही में लगा हुआ है

कोटा में कर्मचारियो व अधिकारियो में रोष व्याप्त है तथा मांग कर रहे हैं कि यदि ITS अधिकारियो को एलाउन्सेस दिए जाते हैं तो हमें भी हमारे लम्बित अधिकार बोनस का शीघ्र भुगतान, ट्रान्सपोर्ट एलाउन्स में शीघ्र संशोधन, एलटीसी, व मेडीकल एलाउन्सेज की बहाली की जाय।

(रतीश मोहन सारस्वत)
जिला सचिव SNEA कोटा

एस सी बत्रा
जिला सचिव ~~AIBSNLEA~~
AIBSNLEA

हरिहर लाल गोस्वामी
जिला सचिव BSNLEU
कोटा

राजकिशोर शर्मा
जिला सचिव
~~SAMAA~~ सन्नाटा
कोटा

संजय अरोड़ा
जिला सचिव
AIGETOA कोटा